Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

**Answer Script Details**
**Barcode** 7745223

**Roll No.** 23263005400
**Total Mark** 49/75.00

**Exam** BACHELOR OF ARTS_DEC-2023
**Subject** A010101T - HINDI KAVYA

**Question wise Mark Summary**

| Q.No | Mark | Q.No | Mark | Q.No | Mark | Q.No | Mark |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1A | 3/5 | | | | | | |
| 1B | 3/5 | | | | | | |
| 1C | 3/5 | | | | | | |
| 1D | 3/5 | | | | | | |
| 1E | 3/5 | | | | | | |
| 1F | 3/5 | | | | | | |
| 1G | 3/5 | | | | | | |
| 1H | 3/5 | | | | | | |
| 1I | 3/5 | | | | | | |
| 2 | 11/15 | | | | | | |
| 3 | NA/15 | | | | | | |
| 4 | NA/15 | | | | | | |
| 5 | NA/15 | | | | | | |
| 6 | NA/15 | | | | | | |
| 7 | 11/15 | | | | | | |
| 8 | NA/15 | | | | | | |
| 9 | NA/15 | | | | | | |

# Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
## Kanpur, Uttar Pradesh

PART-I

Date of Exam: 11/12/2023 Shift: 1 Room No.: ......
Paper Code: A010101T Subject: Hindi Kavya Year/Sem: I
Name of Candidate: Aditi Mishra
Roll No. 2 3 2 6 3 0 0 5 4 0 0

Signature of Candidate: Aditi Mishra
Signature of Invigilator
COE Facsimile

PART-II

MARKS OBTAINED

| Q. | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (a) | | | | | | | | | | |
| (b) | | | | | | | | | | |
| (c) | | | | | | | | | | |
| (d) | | | | | | | | | | |
| (e) | | | | | | | | | | |
| (f) | | | | | | | | | | |
| (g) | | | | | | | | | | |
| (h) | | | | | | | | | | |
| (i) | | | | | | | | | | |
| (j) | | | | | | | | | | |
| Total | | | | | | | | | | |

Total Marks in Figures ............ Max. Marks
Total Marks in Words

A010101T
Paper Code

Signature of Evaluator

PART-III

Course BA
Session 2023-24 Year/Semester I
Subject Name Hindi Kavya
Medium English ○ Hindi ●

Paper Code
A010101T

Exam Date
11 12 2023

Name of Candidate
ADITI MISHRA

Father's Name
AJAY K. MISHRA

महाविद्यालय का कोड
College Code
KNO4

परीक्षा केन्द्र का कोड
Exam Centre Code
KNO4

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam
संस्थागत Regular ● भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex- Student ○
व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
7745223

A010101T
Paper Code

PART-IV

नामांकन संख्या
Enrollement Number C S J M A 2 3 0 0 0 1 2 1 8 1 5

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number
2 3 2 6 3 0 0 5 4 0 0

पेपर कोड Paper Code
A 0 1 0 1 0 1 T

Aditi Mishra
Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. कॉलम में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

## INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

## INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken thecircles completely.

| Correct Method | Incorrect Method |
|---|---|
| ① ● ③ ④ | ✓ ✗ ◉ ⊙ |

4. Make no Stray marks o n this sheet.

**5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.**

## IN ORDER TO AVOD UFM ( UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

## अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्धारित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखे तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाईल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लेस साइंटिफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमन्यता होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसको परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त शाख नहीं दिया जायेगा।

## INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages ( 1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Subje Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

## INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

| | 1 | 8 | 1 | 5 | 4 | 3 | 2 | 1 | 6 | 9 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 1 | ● | 1 | ● | 1 | 1 | 1 | 1 | ● | 1 | 1 |
| 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | 2 | ● | 2 | 2 | 2 |
| 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | 3 | ● | 3 | 3 | 3 | 3 |
| 4 | 4 | 4 | 4 | 4 | ● | 4 | 4 | 4 | 4 | 4 |
| 5 | 5 | 5 | 5 | ● | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 | 5 |
| 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | 6 | ● | 6 |
| 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 |
| 8 | 8 | ● | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | 9 | ● |

**Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .**

Paper Code
A 0 1 0 1 0 1 T

1

खण्ड - 'अ'

## उत्तर - 1

उत्तर (क)

हिन्दी भाषा हमारे देश की पहचान है। हमारे देश में वैसे तो अलग - अलग स्थानों में अलग - अलग भाषाएँ बोली जाती हैं जैसे पंजाब में पंजाबी, राजस्थान में राजस्थानी, बंगाल में बंगाली पर हिन्दी भाषा के सूत्र में हम विभिन्न होकर भी बंधे है।

हिन्दी हमारे देश का गौरव है। हिन्दी भाषा की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है।

हमारे देश में अलग - अलग राज्य अपनी पहचान रखते हैं अपनी बोलियों से। उन राज्यों में अपने - अपने त्योहार, संस्कृतियाँ है।

बोलियाँ हिन्दी भाषा से ही उत्पन्न हुई हैं। उनमें कोई भेद नहीं। हर बोली का विशेष महत्व रखती है। बोली देश में विभिन्नता में एकता का प्रतीक है।

भारत ही एकमात्र देश है जहाँ पर न सिर्फ बोलियाँ अपितु रहन - सहन, त्योहार हर राज्य में अलग है।

इस देश में भाईचारा सर्वत्र है। यहाँ गाँव और शहर में अंतर कम हो रहा है।

बोलियाँ देश में राज्यों की सीमा को निर्धारित करती हैं जो बोलियाँ हैं हम उससे राज्य का परिचय जान जाते हैं।

बोलियाँ हिन्दी की विभिन्न उपभाषाओं से विकसित हैं।

Do Not Write anything in this Portion



उत्तर (ख)

आदिकाल हिन्दी साहित्य के काल-विभाजन का प्रथम एवं महत्वपूर्ण काल है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने इसकी समय सीमा संवत 1050 से संवत 1375 तक बताई है। यह वही काल है जब हमारे देश में मुस्लिम शासकों का आक्रमण हो रहा था और हमारे देश के मराठा, राजपूत उनसे वीरतापूर्वक लड़ रहे थे। महमूद गजनवी और मोहम्मद घोरी इसी काल में आए थे।

विभिन्न नामों का वर्णन

1) वीरगाथा काल → आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2) सिद्ध सामन्त काल → राहुल सांकृत्यायन
3) प्रारम्भिक काल → मिश्र बन्धु
4) आदिकाल → हजारी प्रसाद द्विवेदी
5) चारणकाल → डॉ. रामकुमार वर्मा

'हजारी प्रसाद द्विवेदी' द्वारा दिया गया नाम 'आदिकाल' सार्थक है क्योंकि इसे सिद्ध सामन्त काल नहीं कह सकते क्योंकि सिद्धों के साथ-साथ नाथों की, जैन की और रासो की काव्य रचनाएँ भी देखने को मिलती हैं और न ही इसे वीरगाथा काल कह सकते हैं क्योंकि इस काल में वीरता प्रधान काव्य रचनाओं के साथ-साथ शृंगार परक काव्य रचनाएँ भी देखने और पढ़ने को मिलती हैं।
अतः आदिकाल नाम से इस काल की किसी एक विशेष प्रवृत्ति का ही सिर्फ बोध नहीं होता इसलिए यह नाम उचित है।

उत्तर (ग) रीतिकाल का नामकरण आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने किया है। इसको समय सीमा संवत 1700 से संवत 1900 तक की बताई गई है।

रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद निम्न हैं →

रीतिबद्ध → इस रीतिकालीन काव्यधारा के अंतर्गत कवियों ने रीति की परंपरा में बँधकर लक्षण ग्रंथों का निर्माण किया अर्थात् संस्कृत के ग्रंथों का अनुवाद किया और फिर ब्रजभाषा में अनुवाद करके काव्य रचना का रूप दिया।
इनमें आचार्यत्व की विशेषता प्रमुख है।
कवि → चिंतामणि तिवारी → कविकल्पतरू, शृंगार मंजरी
केशवदास → कविप्रिया, रामचंद्रिका

रीतिसिद्ध → इस रीतिकालीन काव्यधारा के अंतर्गत कवियों ने लक्षण ग्रंथों का निर्माण तो नहीं किया परन्तु जो भी काव्य रचनाएँ की उनमें 'रीति' का प्रभाव कहीं न कहीं दिखता है।
कवि → बिहारी → बिहारी सतसई, देव → देव शतक, प्रेम चंद्रिका

रीतिमुक्त → इस रीतिकालीन काव्यधारा के अंतर्गत कवि रीति के बंधन से मुक्त हो गए थे और उन्होंने अपनी आंतरिक अनुभूतियों के आधार पर काव्य रचनाएँ की जिसमें शृंगार रस (वियोग) की अधिक प्रधानता थी।
कवि → घनानंद → घनानंद पदावली, आलम → आलम केलि

रीतिकाल सामन्तवादी काल था। इसमें सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक स्थलों पर सामन्तवादियों का राज्य था। सामन्तवादी भोग-विलास में लिप्त थे। एक महत्वपूर्ण बात है कि इस काल के कवि आश्रयदाताओं की प्रशंसा में काव्य रचनाएँ करते थे।

Do Not Write anything in this Portion



उत्तर (घ)

द्विवेदीयुग की समय सीमा 1900 से 1918 तक मानी जाती है। इसके प्रवर्तक महावीर प्रसाद द्विवेदी जी हैं।

## विशेषताएँ

1) राष्ट्रीय भावना का विकास → द्विवेदी युग में ऐसी काव्य रचनाएँ की गई जिनका उद्देश्य आम जन में अंग्रेजों के प्रति आक्रोश और राष्ट्र के प्रति प्रेम-समर्पण की भावना का विकास करना था।

2) सांस्कृतिक चेतना → इस काल में अतीत की परंपराओं का अनुसरण भी देखने को मिलता है।

3) सामाजिक विषमताओं का विरोध → इस काल में सामाजिक विषमताओं का विरोध भी हुआ है जैसे → जाति-पाँति, ऊँच-नीच आदि का विरोध हुआ है।

4) हिन्दी खड़ी बोली की प्रधानता → इस काल में गद्य की रचनाओं के साथ-साथ काव्य की रचनाओं में भी ब्रजभाषा की जगह हिन्दी खड़ी बोली का प्रयोग हुआ है।

5) हास्य व्यंग्य की प्रधानता →
इस काल के काव्य रचनाओं में हास्य व्यंग्य की प्रधानता देखने को मिलती है।
यह व्यंग्य न सिर्फ अंग्रेजो के विरुद्ध किया गया है अपितु समाज में पनप रही विभिन्न विषमताओं पर भी करारा व्यंग्य है।

Paper Code A010101T



उत्तर (5)
छायावादी युग की समय सीमा 1918 से 1938 तक की मानी जाती है। इस काल के कवियों ने राष्ट्रीय, सामाजिक, सांस्कृतिक भावना के साथ ही आंतरिक अनुभूतियों का वर्णन अपनी काव्य-रचनाओं में किया है।

विशेषताएँ

1) वैयक्तिकता → इस काल की काव्य रचनाओं में वैयक्तिकता प्रधान है अर्थात् कवियों ने अपनी आंतरिक अनुभूतियाँ जैसे - हर्ष, शोक, भय आदि का खुलकर वर्णन किया है।

2) रहस्यवाद व जिज्ञासा → इस काल की काव्य रचनाओं में जिज्ञासा व रहस्य देखने को मिलता है।
जैसे →
'तोड़ दो क्षितिज मैं भी देख लूँ उस पार क्या है' - महादेवी वर्मा
'प्रथम रश्मि का आगमन रंगिनी तूने कैसे पहचाना - सुमित्रानंदन पंत

छायावादी युग में प्रमुख [illegible] स्तंभ रूपी कवि हैं—

1) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला → तुलसीदास, राम की शक्ति पूजा
2) महादेवी वर्मा → रश्मि, नीरजा
3) जयशंकर प्रसाद → झरना, आँसू
4) सुमित्रानंदन पंत → प्रथम रश्मि

इस छायावादी युग के कवियों ने राष्ट्रीय और सामाजिक भावनाओं का विकास करने का प्रयत्न भी किया है।
साहित्य की दृष्टि से यह काल बहुत महत्वपूर्ण है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A01010 1T



उत्तर (च) प्रयोगवाद का समय अज्ञेय द्वारा रचित 'तार सप्तक' (1943) के समय से माना जाता है— प्रयोगवादी कविता की प्रवृत्तियाँ निम्न- प्रकार से हैं:—

विशेषताएँ

1) नए उपमानों का वर्णन →
इस काल की काव्य रचनाओं में नए उपमानों, नए अलंकारों, छंदों का वर्णन हुआ है जिसके आधार पर इस काल को प्रयोगवाद कहा गया है।

2) अहम की झलक → इस काल के कवियों ने अहम की झलक अपने काव्य रचनाओं के माध्यम से दिखाई है।

3) नग्नता का वर्णन → इस काल की काव्य-रचनाओं में नग्नता का वर्णन भी है।

प्रमुख कवि

- अज्ञेय
- भवानी प्रसाद मिश्र
- धर्मवीर भारती
- रघुवीर सहाय

प्रयोगवाद का विस्तार नई कविता के रूप में हुआ है। आधुनिक काल का पाँचवा चरण माना जाता है। इस काल की अपनी विशेषता है।

उत्तर (छ)

आमीर खुसरो हिन्दी साहित्य के प्रथम कवि हैं। आमिर खुसरो ने अपने जीवन काल में दिल्ली के सिंहासन में बैठते ।। शासकों को देखा था तथा 7 शासकों के राज्य में दरबारी कवि थे।

आमिर खुसरो के गुरु का नाम 'निजामुद्दीन औलिया' था। वह अपने गुरु से विशेष लगाव रखते थे।

गुरु की मृत्यु पर वह बिलख-बिलख कर रोए थे। वह गुरु का अहसान मानते हैं कि उन्होंने इनका साक्षात्कार ईश्वर से कराया।

इन्होंने हिन्दी साहित्य में काव्य की रचना पहली बार खड़ी बोली में की थी इसमें कोई संदेह नहीं।

इन्होंने 'गीत' के माध्यम से नव-विवाहिता और बाबुल का वर्णन करके 'आत्मा-परमात्मा' का मिलन बताया है। यह बहुत ही प्रसिद्ध कवि थे।

इनकी हर रचना अपने में महत्वपूर्ण है। यह एक विद्रोह कवि के रूप में उजागर हुए हैं।

उत्तर ( ज़ )'
'मोचीराम' कविता के कवि 'सुदामा पाण्डेय धूमिल' है|
इस कविता का सारांश निम्न प्रकार से है-

एक मोची अपना काम करते हुए यह अनुभव करता है कि उसके पास कोई ('धूमिल') खड़ा है तो वह हाथों में रांपी लिए रहता है| वह ऊपर आँखे उठाकर देखता है और कुछ देर सोचकर कहता है कि उसकी नजर में कोई बड़ा-छोटा नही है| वह अपने जैसे दूसरों गरीबों-लाचारों की दुर्गति [illegible] जातियों द्वारा जो हो रही थी उसका वर्णन भी करता है|
वह कहता है उसको सिर्फ अपने काम से मतलब है| वह यह कहता है कि जब कोई गरीब जूता ठीक करवाने आता है तो उसका जूता इतनी बुरी दशा में होता है कि कुछ कर नहीं सकते और जब वह यह सोचता है कि गरीब से नया जूता खरीदने को कह दे तो वह उसकी लाचारी को समझकर रुक जाता है| वहीं दूसरी तरफ [illegible] अमीर जूता ठीक करवाने आता है तो बहुत रौब दिखाता है| आधा होता है सिर्फ काम सैर करने पर ऐसे दिखाता है जैसे बहुत व्यस्थ है| उसके बोलने का लहजा भी ठीक नही होता और वह कम पैसे देकर चला जाता है|
इस प्रकार वह ऊँचे सामन्तवादी लोगों पर व्यंग्य करके अपनी जाति की दुर्दशा का वर्णन करता है|

Paper Code

A 0 1 0 1 0 1 T



खण्ड - ब (व्याख्यात्मक प्रश्न)

3. आयौ घोष बड़ो - - - - - - दिखावौ

सन्दर्भ → प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ सूरदास जी द्वारा रचित 'सूरसागर' से भ्रमरगीत सार से लिया गया है।

प्रसंग → प्रस्तुत काव्य पँक्तियों में जब उद्धव निर्गुण ब्रम्ह और योग साधना का ज्ञान गोपियों को देते है तो गोपियाँ एक भौंरें के माध्यम से उद्धव पर व्यंग्य करते हुए कहती हैं-

व्याख्या ~~अर्थ~~ → ऐसा लगता है जैसे गोकुल में कोई बड़ा व्यापारी आया हो अर्थात् वे उद्धव को योग-साधना बेंचने वाला व्यापारी कहती है। इसने अपने सिर पर जो योग-ज्ञान का बोझा लादा हुआ था उसे यहाँ पर आकर उतार दिया है अर्थात ये योग- साधना का ज्ञान यहाँ बाँट रहा है।
ये हमसे सोना लेकर हमे मूली देना चाहता है अर्थात् श्री कृष्ण के प्रति प्रेम भावना उनके लिए मूल्यवान है और योग- साधना का ज्ञान मूल्यहीन।
ऐसा लगता है इसने योग- साधना बहुत पढ़ लिया है इसलिए यहाँ पर आकर इसका सिर भारी हो गया है अर्थात योग- साधना का ज्ञान देने के लिए व्याकुल है।
यहाँ ब्रजमण्डल में ऐसा कौन होगा जो इनकी बातो मे आस्था अर्थात ब्रजमण्डल में सभी लोग श्रीकृष्ण की सगुण रूप में पुजा करते हैं भक्ति- भावना रखते है तो कोई नहीं सुनेगा।
अपने मीठे दूध को छोड़कर कुएँ का खारा - पानी कौन पियेगा अर्थात कौन मूर्ख होगा जो मीठी भक्ति और प्रेम के बदले खारा निर्गुण योग का ज्ञान पियेगा।

Do Not Write anything in this Portion

उद्धव हम सच कहते हैं सुबह होते ही यहाँ से तेज गति में चले जाना और हम तुम्हे मुँह माँगा पुरस्कार देंगे अगर तुम हमारे साहुकार रूपी प्रभु को लाकर दर्शन करा दोगे।

खण्ड - 'स' (दीर्घउत्तरीय प्रश्न)

उत्तर (7) तुलसीदास

जीवन परिचय → भक्तिकाल और ~~समक~~ रामभक्तिधारा के प्रवर्तक कवि गोस्वामी तुलसीदास जी का जन्म लोक मान्यता के अनुसार मूल नक्षत्रें में श्रावण शुक्ल सप्तमी को राजापुर नामक स्थान में हुआ था। इनके पिता का नाम आत्माराम दुबे और माता का नाम हुलसी था।

काव्य रचनाएँ →

1) रामचरितमानस
2) विनय - पत्रिका
3) पार्वती मंगल
4) जानकी मंगल
5) हनुमान बाहक
6) कृष्णा गीतावली
7) दोहावली
8) गीतावली

Do not write anything in this portion



समन्वयवादी कवि का तर्क –

गोस्वामी तुलसीदास जी समन्वयवादी कवि हैं। इन्होंने अपनी 'रामचरितमानस' में राम द्वारा शिव की पूजा करवाके और शिव द्वारा राम की प्रशंसा करवाके शैव और वैष्णवों के भेद को खत्म किया है।
तुलसीदास जी सगुण और निर्गुण दोनों में अंतर नहीं मानते थे। इनकी काव्य-रचनाओं में दास्य भाव की प्रधानता देखने को मिलती है। यह श्री राम के अनन्य भक्त थे। इन्होंने अपनी काव्य-रचनाओं में समाज में अत्याचार झेल रहे निम्न वर्ग की दयनीय दशा का वर्णन करके प्रभु के आगमन का संकेत दिया है –

जब जब होई धरम की हानि। बाढ़हिं असुर अधम अभिमानी
तब तब प्रभु धरि विविध सरीरा। हरहिं सब सज्जन पीड़ा

वे समाज में जाँति-पाँति, ऊँच-नीच का भेदभाव तथा बड़े-छोटे का भेदभाव हटाके समानता लाना चाहते थे। जिसमें प्रजा को दुःख न हो तथा प्रजा-राजा का संबंध पिता-संतान के जैसा हो।
उन्होंने 'राम राज्य' की कल्पना की थी जो एक आदर्श व्यक्तित्व वाले जीवन को व्यक्त करता है।
निःसंदेह वे आदर्शवादी व समन्वयवादी कवि थे।
उन्होंने स्त्री और पुरुष दोनों के व्यक्तित्व को बहुत गहराई से दिखाया।
जहाँ पर एक तरफ स्त्री का पतिव्रता एवं धर्मपरायण बताया वहीं दूसरी तरफ पुरुषों को मर्यादा पुरुषोत्तम दिखाया।
उन्होंने कभी निर्गुण ब्रह्म की उपासना करने को मना नहीं किया।

Do Not Write anything in this Portion



उनके अनुसार जब तक समानता नहीं होगी तब तक समाज का विकास नहीं होगा।
और यह समानता जातियों में, पुरुष-महिलाओं, बड़े-छोटे सबमें होनी चाहिए।

मृत्यु → 1660 में वाराणसी के असी घाट पर

इस दिन साहित्य का जगमगाता तारा टूट गया।
तुलसीदास जी का व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय एवं जीवित रहेगा।
तुलसीदास जी की प्रमुख रचना 'रामचरितमानस' हिंदू धर्म का प्रमुख ग्रंथ है।

X

Paper Code

13

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

14

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code



Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

16

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

17

Do Not Write anything in this Portion

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

18

Paper Code



Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

20

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

21

Paper Code

22

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

23

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

24

Do Not Write anything in this Portion